की पुनरावृत्ति न हो लिये कुछ कड़ी व्यवस्था की जाय जिससे गर्मी के दिनों में भीड़ कम करने के लिये जो विशेष ट्रेन चलायी जा रही है उनका सही लाभ यात्रियों को सरलता से मिल सके।

मैं आशा करता हूं कि जल्दी से जल्दी इस बारे में उचित उपाय किए जायेंगे।

(v) NEED TO CONTINUE THE PAYMENT OF PROJECT ALLOWANCE TO EMPLOYEES OF FARAKKA PROJECT.

SHRI ZAINAL ABEDIN (Jangipur): Sir, under Rule 377 I raise the following matter of urgent public importance;—

Farakka project authorities have announced discontinuance of payment of project allowance to the project employees with effect from April, 1981, Without any valid reason. The project allowance at the rate of 20 per cent was sanctioned to the project employees and workers on account of disadvantageous conditions prevailing in the area like lack of marketing facilities, medical and schooling facilities, etc. As and when the conditions improved, the project allowance was reduced from 20 per cent to 15 per cent. But while the project is completed, disadvantages, mainly, of high cost of living due to heavy influx of people into the area will persist. Till the amenities and facilities are not made easily available to the workers by proper upliftment of the social environment within the project area and the economic stability is restored, there is no reason why the project allowance should be discontinued. furthermore, the workers engaged at the deposit work of N.T.P.C. Ganga Brahmaputra Link survey works and some works of State Irrigation Department are being paid the project allowance. Almost all the trade unions functioning in the Farakka project have unanimously demanded that project allowance at the rate of 15 per cent should be continued. This is a just demand. I, therefore, urge upon the Government to pass orders to the Farakka Barrage authorities to continue the payment of project allowance to the employees and workers of the project.

(vi) ALLEGED SMASHING OF A PHOTOGRAPH OF DR. AMBEDKAR IN KANPUR BY A POLICE SUB-INSPECTOR.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : एक ओर अनुसूचित जाति एवं जन-जाति की समस्या के प्रति सदन चिन्तित है और सर्वसम्मति से उनके हितों की रक्षा के लिए प्रस्ताव पास करती है, दूसरी ओर प्रशासन द्वारा उनका ठीक उल्टा किया जा रहा है और इस तरह की कार्यवाही की जा रही है जिससे देश के करोड़ों दलितों को चोट पहुंचे। इसी तरह की एक घटना का जिक्र मैं करना चाहता हूं।

कल दिनांक 26 अप्रैल, 1981 को मेरा कार्यक्रम डा. अम्बेडकर जयन्ती के सिलसिले में कानपुर में था। एक जगह जयन्ती समारोह में भाग ले कर दूसरी जगह पर गड़रिया पुरवा में जब गया तो देखकर दंग रह गया कि वहां डाक्टर अम्बेडकर का चित्र टूटा पड़ा है। महिलायें रो रही थीं। जब कारण पूछा तो पता चला कि फजलगंज थाने के एक सब-इंस्पेक्टर और दो सिपाही आये। सब-इंस्पेक्टर ने लात से ठोकर मार कर डाक्टर अम्बेडकर की फोटो को चकनाचूर कर दिया। आयोजकों को बुरी तरह पीटा। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया। इसके पहले भी अम्बेडकर डकर स्टडियम, दिल्ली में डा. अम्बेडकर की प्रतिमा को खंडित कर दिया गया था। आजादी के तैंतीस वर्षों के बाद जब इस तरह की घटना घटी और संविधान निर्माता डा. अम्बेडकर को इस तरह अपमानित किया जाय तो यह देश के लिए कलंक की बात है। लोगों ने बताया कि तीनों शराब पीकर नशे में चूर थे। नगर के पुलिस चीफ के

[श्री रामविलास पासवान]

अनुसार उक्त सब-इंस्पेक्टर छुट्टी पर था और वहां उसे जाने का कोई औचित्य नहीं था ।

यह गम्भीर मामला है । स्थानीय लोगों में काफी रोष है । लोग थाने पर प्रदर्शन कर रहे हैं ।

मैं सरकार से मांग करता हूं कि सरकार अविलम्ब उक्त सब इंस्पेक्टर और सिपाहियों को गिरफ्तार कर जेल में बन्द करे तथा सदन में वक्तव्य दे कि इस तरह घटना की पुनरावृत्ति नहीं की जायगी ।

MR. CHAIRMAN: Certainly, this is a matter of concern as it affects the sentiments of a large number of people and I hope the Government will take due notice of the matter.

14.42 hrs.

FINANCE BILL, 1981—*Contd.*

MR. CHAIRMAN: Mr. M. C. Daga to continue his speech. He has already taken 15 minutes.

अब आप कितना वक्त लेंगे ।

श्री मूलचन्द डागा : (पाली) : आपकी जितनी कृपा होगी, उतना समय लूंगा ।

सभापति महोदय : मेरी कृपा नियम के अनुसार जितनी हो सकेगी, वह होगी लेकिन आप बतायें कि कितना समय और लेंगे ?

श्री मूल चन्द डागा : आपका हृदय विशाल है, क्योंकि बिहार के मिनिस्टर आफ पार्लियामेंटरी अफेयर्स हैं और बिहार के ही उस समय चेयरमैन हैं, इसलिये मुझे समय देंगे ।

सभापति महोदय, मैं 24 अप्रैल को एक बात कह रहा था कि आजकल जो भ्रष्ट नौकरशाही, भ्रष्ट राजनीतिक और भ्रष्ट व्यापारी, इन तीनों का जो आपवित्र संठबन्धन है, इसका जमकर और संगठित रूप से मुकाबला अगर नहीं किया गया, अगर इसको रोका न जा सका तो हमारे भारतवर्ष के अन्दर जो भ्रष्टाचार का नासूर फैल रहा है, हमें इसके बड़े बुरे परिणाम देखने होंगे ।

तारीख 22 और 23 अप्रैल के दिन जब आयकर विभाग के लोग काश्मीर गये और वहां उन्होंने कालाधन निकालने के लिय देशद्रोही और देश के गद्दार लोगों पर जब हमला किया, विभाग के कर्मचारियों ने जब अपनी कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया और उन्होंने वहां जाकर हमला किया तो वहां पर किस प्रकार विभागके लोगों को आघात पहुंचाया गया, किस प्रकार उनके चोटें आई, यह बड़ी गम्भीर बात है । वहां पर 40 आयकरविभाग के कर्मचारियों के चोट लगी ।

मैं एक बात की ओर आपका ध्यान और दिलाना चाहता हूंटहकि उस समय इस सदन के एक माननीय सदस्य भी वहां मौजूद थे, और यह एक एसी बात है कि अगर इस सदन के एक माननीय सदस्य वहां मौजूद थे, जैसा कि पत्रों और अखबारों से मालूम होता है और हमारे माननीय वित्त मंत्री ने भी स्टटमैंट दिया, जब आयकर विभाग के लोग वहां पर कालेधन को बाहर निकालने के लिय हमला कर रहे थे तो उस समय वहां प्रधान मंत्री मुरदाबाद और शख अब्दुल्ला जिन्दाबाद के नारे दिये गये और इस प्रकार की जो घटनाएं, गति-विधियां होती हैं, अगर हमारी संसद का कोई सदस्य इधर या उधर बैठने वाला हैं वह इस तरह की बातों को संरक्षण देता है तो उसे डिस्क्वालीफाई करना चाहिये या उसे निकाल देना चाहिए